DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.

Circular / Syll. Sec./HF/ UG IIIed Yr./Curriculum/ 2026.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Board of Studies; **the Academic Council at it's Meeting held on 02ed June, 2026 has accepted the *"Following Subject wise Curriculum of UG level under the faculty of Humanities as per Guidelines of NEP & University Norms"*** to be implemented in the all affiliated colleges.

Sr. No.	Name of the UG Curriculum	Semester
01.	Marathi	Vth & VIth
02.	Hindi	Vth & VIth
03.	English	Vth & VIth
04.	Urdu	Vth & VIth
05.	Pali & Buddhism with Second Year minor changes	Vth & VIth & IIIrd & IVth
06.	Arabic	Vth & VIth
07.	Sanskrit	Vth & VIth
08.	Political Sciecne	Vth & VIth
09.	Public Administration with Second Year minor changes	Vth & VIth & IIIrd & IVth
10.	Economics	Vth & VIth
11.	History	Vth & VIth
12.	Sociology	Vth & VIth
13.	Geography	Vth & VIth
14.	Psychology	Vth & VIth
15.	Thoughts of Mahatma Phule & Dr. B. R. Ambedkar	Vth & VIth
16.	Islamic Studies	Vth & VIth
17.	Military Science	Vth & VIth
18.	Philosophy	Vth & VIth

This is effective from the Academic Year 2026-27 and onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.
Ref. No. SU/ HF/ UG IIIrd Yr./
Curriculum/ 2026/4452-55

Date: 05/ 06/ 2026.

Deputy Registrar
Syllabus Section

****

Copy forwarded with necessary action to:-

1] **The Principal, all concerned affiliated colleges,**

2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

3] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**

4] **Public Relation Officer** [PRO],

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

-=**=-

DrK*050626/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

3 Years B. A. / B.Com. / B.Sc.

4 Year B. A. / B.Com. / B.Sc.

(Hons. with Research) Degree Programme

Third Year
Course Structure

Subject : Hindi

(Effective from June 2026)

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

AS PER NEP 2020

Illustrative Credit distribution structure for three/four-year Honours/ Honours with Research Degree Programme with Multiple Entry and Exit options. (Discipline Specific in Hindi)

Class: B. A. / B.Com. / B.Sc. Third Year Semester: Fifth Semester & six Semester Subject: Hindi

Fifth Semester

Sr. No.	Specification/ type of Papers	Paper	Credits	Total Credits/ Semester
1	Major Mandatory	DSC - 11 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि तथा मध्यकाल)	2T+ 2P = 4	4T+ 4P =8
		DSC - 12 हिंदी भाषा और लिपि	2T+ 2P = 4	
2	Major Elective	DSE – 1 प्रयोजनमूलक हिंदी अथवा DSE – 2 भारतीय महिला संत : परिचय एवं पद (8वीं से 14वीं शताब्दी)	2T+ 2P = 4	4
3	Minor	Minor - 5 भाषा शिक्षण	2 T	4
		Minor - 6 आत्मकथा साहित्य	2 T	
4	Generic/ Open Elective	--	--	--
5	Vocational Skill Course	VSC -3 विज्ञापन लेखन अथवा VSC - 4 मशीनी अनुवाद	2T+ 2P = 4	4
6	Skill Enhancement Course	--	--	--
7	Ability Enhancement Course	--	--	--
8	Value Education Course	--	--	
9	Indian Knowledge System	--	--	
10	On Job Training	--	--	2
11	Field Project	FP- 2 लोकसाहित्य : क्षेत्रीय अध्ययन एवं संकलन	2	
12	Community Engagement Project	--	--	
13	Co-curricular Course	--	--	
14	Research Project	--	--	
Cum. Cr./ Semester		--	22	22
Cum. Cr./Year		--	--	--

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

Sixth Semester

Sr. No.	Specification/ type of Papers	Paper	Credits	Total Credits/ Semester
1	Major Mandatory	DSC - 13 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	2T+2P=4	6T+4P=10
		DSC - 14 साहित्यशास्त्र	2T+2P=4	
		DSC - 15 भारतीय ज्ञान परंपरा एवं रामचरितमानस (Indian Culture and Knowledge System)	2 T	
2	Major Elective	DSE – 3 प्रतिनिधि महिला एकांकी अथवा DSE – 4 हिंदी नुक्कड़ नाटक	2T+2P=4	4
3	Minor	Minor - 7 यात्रा साहित्य	2 T	4
		Minor – 8 हिंदी निबंध साहित्य	2 T	
4	Generic/ Open Elective	--	--	--
5	Vocational Skill Course	--	--	--
6	Skill Enhancement Course	--	--	--
7	Ability Enhancement Course	--	--	--
8	Value Education Course	--	--	
9	Indian Knowledge System	--	--	
10	On Job Training	OJT-1 (Common for all faculties)	4	4
11	Field Project	--	--	
12	Community Engagement Project	--	--	
13	Co-curricular Course	--	--	
14	Research Project	--	--	
Cum. Cr./ Semester		--	22	22
Cum. Cr./Year		--	--	44

Exit option: Award of UG Certificate in Major with **132 credits** and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Honour or Research

Note: Papers highlighted in red colour are multiple choices

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5.5

समसत्र पंचम V

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि तथा मध्यकाल) (DSC – 11)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक- 2, क्रियात्मक गतिविधि - 2)
अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका – 30 + 60 = 90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- हिंदी साहित्य के आदिकाल एवं मध्यकाल का परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य के काल-विभाजन एवं नामकरण की जानकारी देना।
- आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति धारा की विशेषताओं को समझाना।
- विद्यार्थियों में काव्य-पाठ, व्याख्या एवं लेखन कौशल का विकास कराना।
- साहित्य के प्रति रुचि एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों की विशेषताओं को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के काल-विभाजन एवं नामकरण का वर्णन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दे सकेंगे।
- विद्यार्थी निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी दोहे, पद एवं काव्य-पंक्तियों की व्याख्या कर सकेंगे।
- विद्यार्थी साहित्यिक कालों एवं कवियों की तुलना कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में श्रवण, वाचन एवं लेखन कौशल का विकास होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
- स्वाध्याय।
- अध्ययन यात्रा।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	• हिंदी साहित्य का काल-विभाजन एवं नामकरण • आदिकाल की सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि • आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • वीरगाथा काव्य : पृथ्वीराज रासो — चंदबरदाई; रचना, भाषा, विशेषताएँ • सिद्ध,नाथ,जैन साहित्य का परिचय और विशेषताएँ	1	15
इकाई - 2	**भक्तिकाल एवं रीतिकाल** • भक्तिकाल की पृष्ठभूमि : सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियाँ; भक्ति आंदोलन का स्वरूप एवं महत्व। **निर्गुण भक्ति शाखा** • ज्ञानमार्गी शाखा : स्वरूप एवं प्रमुख विशेषताएँ; कबीरदास, रैदास एवं दादूदयाल का व्यक्तित्व, काव्य-विशेषताएँ एवं विचारधारा। • प्रेममार्गी शाखा : स्वरूप एवं प्रमुख विशेषताएँ; मलिक मुहम्मद जायसी का व्यक्तित्व एवं काव्य-विशेषताएँ। **सगुण भक्ति शाखा** • रामभक्ति शाखा : तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं काव्य-विशेषताएँ। • कृष्णभक्ति शाखा : सूरदास एवं मीराबाई का व्यक्तित्व एवं काव्य-विशेषताएँ। **रीतिकाल** • रीतिकाल : परिचय, प्रमुख विशेषताएँ एवं वर्गीकरण (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त)। • बिहारी, केशवदास एवं घनानंद का व्यक्तित्व एवं काव्य-विशेषताएँ।	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** अध्यापक के द्वारा प्रायोगिक कार्य की संकल्पना, उद्देश्य एवं मूल्यांकन योजना को समझाया जाए। • प्रायोगिक गतिविधियों के संदर्भ में विस्तृत निर्देश। **गतिविधि 1 : कवि-परिचय पत्रक** • A4 आकार के सफेद कागज पर छात्रों से हाथ से लिखवाकर ले। • कवि-चयन : पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवि । • अनिवार्य बिंदु : (1) पूरा नाम व उपनाम (2) जन्म-मृत्यु वर्ष व स्थान (3) काल का नाम (4) दो-तीन प्रमुख रचनाएँ (5) भाषा-विशेषता (एक परिच्छेद) (6) एक प्रसिद्ध पंक्ति / दोहा (अर्थ विश्लेषण के साथ)।	1	15X2=30

	• पत्रक पर छात्रों के अपना नाम, कक्षा एवं रोल नंबर अनिवार्य रूप से लिखने के लिए कहे। **गतिविधि 2 : दोहा / पद स्मरण एवं सस्वर पाठ** • पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों में से किसी एक कवि के 5 दोहे / पद याद करने के लिए कहे। • प्रत्येक दोहे/पद का सरल भावार्थ 2-3 वाक्यों में तैयार करवा ले (नोट्स में लिखें)। • कक्षा में छात्र शिक्षक के सामने खड़े होकर स्पष्ट उच्चारण व लय के साथ सुनाएँ। • अध्यापक पाठ के बाद किसी एक दोहे का अर्थ भी पूछ सकते हैं। **गतिविधि 3 : साहित्यिक काल-तालिका** • छात्र कागज पर रंगीन पेन / मार्कर से तालिका बनाएँ। • तीन कालों में से किसी एक काल की तालिका बनानी है। • तालिका में 5 स्तंभ : काल का नाम,समयकाल, कवि, प्रत्येक की रचना और काल की विशेषताएँ लिखें। • शीर्षक बड़े अक्षरों में लिखें तथा अलग-अलग रंगों का उपयोग करें। ऊपरी कोने में नाम, रोल नंबर एवं कक्षा लिखना अनिवार्य है।		
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** **गतिविधि 4 : तुलनात्मक लेखन** • दो कालों अथवा दो कवियों की तुलना 300-400 शब्दों में हाथ से लिखवाकर ले। • उदाहरण विषय : 'आदिकाल और भक्तिकाल की भक्ति-भावना' अथवा 'कबीर और तुलसी की भाषा-शैली' आदि। • लेखन में निम्न बिंदु होने चाहिए : परिचय (एक परिच्छेद) तुलना के बिंदु (4-5) निष्कर्ष (एक परिच्छेद)। • लेखन जमा करने के बाद छात्रों को 2-3 मिनट की कक्षा-प्रस्तुति भी करनी होगी। **गतिविधि 5 : श्रवण-बोध** • अध्यापक किसी एक कवि की रचना (8-10 पंक्तियाँ) सस्वर पाठ करेंगे। • छात्र ध्यान से सुनकर दिए गए 5 बोध-प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। • प्रश्न इस प्रकार होंगे : (1) कवि का नाम (2) रचना का भाव (3) प्रमुख विचार (4) कोई विशेष शब्द/पंक्ति (5) काल का नाम। • उत्तर 2-3 वाक्यों में स्पष्ट एवं सरल भाषा में लिखें। • रचना एक बार और सुनाई जा सकती है — उसके बाद उत्तर-पुस्तिका में लिखाकर जमा करनी होगी। गतिविधि 6 : काव्य-पंक्ति की व्याख्या • अध्यापक द्वारा पाठ्यक्रम से एक काव्य-पंक्ति / दोहा / पद दिया जाएगा।	1	15X2=30

	• छात्र निम्नलिखित क्रम में 100-150 शब्दों में व्याख्या लिखेंगे : (1) संदर्भ : रचना का नाम एवं कवि का नाम। (2) प्रसंग : किस विषय में यह पंक्ति कही गई है (2-3 वाक्य)। (3) भावार्थ : पंक्ति का सरल हिंदी में अर्थ। व्याख्या स्वच्छ एवं सुलेखनीय होनी चाहिए।		
	सत्रांत परीक्षा 30 अंक निर्देश : परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। **गतिविधियाँ** **परिचयात्मक अध्ययन** – पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के जीवन, साहित्य एवं साहित्यिक योगदान का परिचयात्मक अध्ययन। **पाठ-व्याख्या एवं विश्लेषण** – पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों, पदों अथवा काव्यांशों का संदर्भ, भावार्थ एवं साहित्यिक विश्लेषण। **तुलनात्मक अध्ययन** – पाठ्यक्रम में निर्धारित दो साहित्यिक कालों, दो कवियों अथवा उनकी काव्य-प्रवृत्तियों का तुलनात्मक विवेचन। **विषय-आधारित विश्लेषणात्मक लेखन** – पाठ्यक्रम में निर्धारित साहित्यिक प्रवृत्तियों, काव्य-विशेषताओं अथवा साहित्यकारों के योगदान पर विश्लेषणात्मक लेखन। **साहित्यिक समीक्षा एवं प्रस्तुतीकरण** – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर आधारित समीक्षा, संक्षिप्त परियोजना, मौखिक प्रस्तुति अथवा रिपोर्ट लेख **अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ.नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर ग्रंथावली, सं., श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)
5. रामचरितमानस, तुलसीदास, (चयनित भाग) गीता प्रेस, गोरखपुर
6. बिहारी सतसई, बिहारीलाल, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज / साहित्य भवन पब्लिकेशन, प्रयागराज
7. सूरसागर, सूरदास, गीता प्रेस, गोरखपुर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5.5

समसत्र पंचम V

हिंदी भाषा और लिपि (DSC – 12)

श्रेयांक - 4 (सैद्धांतिक - 2,क्रियात्मक गतिविधि-2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका –30+60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- हिंदी भाषा तथा उसके विविध रूपों का अध्ययन कराना।
- देवनागरी लिपि का अध्ययन कराना।
- हिंदी भाषा के विविध रूपों की क्षमताओं को विकसित कराना।
- भाषा के रोजगारपरक आयामों का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम: (Course Learning Outcomes)

- छात्र हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को समझेंगे।
- छात्र हिंदी भाषा के विविध रूपों को समझेंगे।
- छात्र देवनागरी लिपि के उद्भव और विकासक्रम से परिचित होंगे।
- छात्र हिंदी भाषा तथा लिपि के विभिन्न आयामों को समझेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल)।
- चर्चा परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	• भारतीय आर्य भाषाएँ • प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ • मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ • आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ • आधुनिक आर्य भाषाएँ-हिंदीतर वर्ग सामान्य परिचय • हिंदी भाषा स्वरुप और विशेषताएँ	1	15

	• हिंदी नामकरण • हिंदी के विविध रूप • हिंदी भाषा का क्रमिक विकास • हिंदी भाषा का अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य		
इकाई -2	• देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास • भाषा और लिपि • लिपि: तात्पर्य और विकास • देवनागरी लिपि: उद्भव और विकास • देवनागरी लिपि की विशेषताएँ • मानक हिंदी की स्वीकृत वर्णमाला एवं अंकलेखन • भारतीय संविधान और हिंदी • राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा • संविधान में भारतीय भाषाओं की स्थिति • राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान	1	15
इकाई -3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activities)** इस पाठ्यक्रम में क्रियात्मक कार्य का उद्देश्य छात्रों को भाषा और लिपि के मूल और उसके उद्भव और विकासक्रम का परिचय देकर उनमें भाषा और लिपि के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में निम्नलिखित विविध गतिविधियों का आयोजन करें। • भाषा क्या है? भाषा का स्वरूप और महत्व, मानव समाज और जीवन में भाषा का स्थान, भाषा की संरचना, भाषा के प्रकार, भाषा का उद्देश्य, भाषा की विशेषताएँ, हिंदी भाषा की परंपरा। • मानवी जीवन में भाषा के महत्व से अवगत कराएँ। • लिपि: तात्पर्य और विकास का विस्तृत परिचय। • छात्रों के समूह बनाकर विविध प्रसंगानुरूप एवं छाओं की रुचि को ध्यान में रखते हुए विषय देकर भाषा लिखने और पाठ करने का अभ्यास करवाएँ। अध्यापक स्वयं क्रिया कलापों में सहभागी हो।	1	15X2=30
इकाई -4	• छात्रों को अलग अलग भाषा लेखन करना सिखाएँ उसके माध्यम से भाषाभिव्यक्ति करने का अभ्यास करवाएँ, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने में मदद होगी। • अध्यापक छात्रों को हिंदी भाषा और लिपि का परिचय दें। • हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि के स्वरूप को समझाएँ • महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय कवि एवं समीक्षक तथा विशेषज्ञ की उपस्थिति में भाषा विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन करें।	1	15X2=30

सत्रांत प्रात्यक्षिक परीक्षा (30 अंक)

निर्देश : परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा।

गतिविधियाँ

- हिंदी भाषा के स्वरूप, विकास तथा भारतीय आर्य भाषाओं से संबंधित जानकारी का प्रस्तुतीकरण।
- देवनागरी लिपि के उद्भव, विकास, विशेषताओं तथा मानक वर्णमाला से संबंधित लेखन।
- भाषा एवं लिपि, हिंदी के विविध रूप तथा उनके व्यावहारिक उपयोग से संबंधित उत्तर-लेखन।
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा तथा भारतीय संविधान में हिंदी से संबंधित प्रावधानों पर आधारित लेखन।
- पाठ्यक्रम के आधार पर भाषा एवं लिपि से संबंधित वर्गीकरण, संक्षिप्त टिप्पणी, अंतर अथवा उदाहरण सहित उत्तर-लेखन।

अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना

प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें।

टिप्पणी: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा तथा साहित्यशास्त्र, डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, संरचना और प्रयोग, डॉ. माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय भाषा परिचय, केन्द्रीय हिन्दी निदेशलाय, नई दिल्ली
4. नागरी लिपि, डॉ. ब्रजमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. राजभाषा हिन्दी, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय और व्याकरणिक स्वरूप, डॉ. सतीश शर्मा, तक्षाशीला प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major Elective -Hindi) Level - 5.5

समसत्र पंचम V

प्रयोजनमूलक हिंदी (DSE – 1)

श्रेयांक - 4 (सैद्धांतिक - 2,क्रियात्मक गतिविधि-2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका–30+ 60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप एवं महत्व को समझना।
- व्यावहारिक हिंदी लेखन कौशल का विकास कराना।
- डिजिटल एवं मीडिया क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग से परिचित कराना।
- हिंदी के रोजगारपरक आयामों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप एवं उपयोगिता को समझ सकेंगे।
- छात्र व्यावहारिक एवं डिजिटल लेखन में हिंदी का प्रयोग कर सकेंगे।
- छात्र समाचार, ई-मेल तथा डिजिटल सामग्री तैयार कर सकेंगे।
- हिंदी के नए रोजगार क्षेत्रों से परिचित होंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- समूह चर्चा।
- प्रायोगिक लेखन अभ्यास।
- डिजिटल माध्यमों का उपयोग।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई -1	• प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ • प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रमुख क्षेत्र • प्रशासनिक हिंदी • तकनीकी हिंदी • मीडिया हिंदी • पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व	1	15

	• डिजिटल हिंदी एवं हिंदी टंकण • सोशल मीडिया में हिंदी का प्रयोग • कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और हिंदी : परिचय एवं उपयोग		
इकाई -2	**प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक प्रयोग** • संक्षेपण • पल्लवन • प्रतिवेदन लेखन • समाचार लेखन • ई-मेल लेखन • ब्लॉग एवं कंटेंट लेखन • हिंदी में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर	1	15
इकाई -3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activities)** • अन्य भाषाओं से हिन्दी में प्रशासनिक और तकनीकी शब्दों का एक शब्दकोश तैयार करना और उनके व्यावहारिक संदर्भ को समझाना। • मानक प्रशासनिक प्रारूपों का पालन करते हुए आधिकारिक सरकारी अधिसूचना, परिपत्र और आधिकारिक ज्ञापन का प्रारूप तैयार करे। • अन्य भाषा के पाठ का हिन्दी में अनुवाद करने के लिए एआई अनुवाद उपकरणों का उपयोग करे। • शैक्षणिक एवं सामाजिक उपक्रमों को लेकर हिंदी में सोशल मीडिया अभियान तैयार करे।	1	15X2=30
इकाई -4	• 600 शब्दों के गद्यांश का शीर्षक के साथ 200 शब्दों में सटीक संक्षेपण लेखन कीजिए। • किसी मुहावरे/लोकोक्ति का विश्लेषणात्मक रुप में पल्लवन कीजिए। • महाविद्यालय में संपन्न हुए विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का विस्तृत और औपचारिक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। • महाविद्यालय में संपन्न हुए विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों को लेकर समाचार लिखिए। • हिन्दी में अलग-अलग विषय को लेकर ईमेल लिखिए। • लाइव ब्लॉग प्लेटफॉर्म (जैसे वर्डप्रेस/ब्लॉगर) सेटअप करना और किसी शैक्षणिक एवं सामाजिक विषय पर हिन्दी में 500 शब्दों का मूल ब्लॉग पोस्ट प्रकाशित करना। उपरोक्त क्रियात्मक गतिविधियों का छात्रों को अभ्यास करवाएं।	1	15X2=30
	सत्रांत प्रात्यक्षिक परीक्षा (30 अंक) **निर्देश** : परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। **गतिविधियाँ** :		

	• प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणाओं का अनुप्रयोग – पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु के आधार पर प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप, विशेषताओं एवं समकालीन उपयोग का विश्लेषण। • व्यावहारिक लेखन कौशल – पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रारूपों के अनुसार औपचारिक एवं व्यावहारिक हिंदी लेखन का प्रदर्शन। • मीडिया एवं डिजिटल हिंदी का प्रयोग – मीडिया, डिजिटल मंचों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) में हिंदी के उपयोग से संबंधित लेखन एवं विश्लेषण। • भाषिक कौशल एवं रूपांतरण – पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों के आधार पर संक्षेपण, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली अथवा भाषा-रूपांतरण संबंधी गतिविधि। • रोजगारपरक एवं सृजनात्मक लेखन – हिंदी के व्यावसायिक, रोजगारपरक एवं स्वरोजगार संबंधी क्षेत्रों के संदर्भ में लेखन, प्रस्तुतीकरण अथवा परियोजना-आधारित गतिविधि। **अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ.माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम, डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
5. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम, महेंद्र सिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा
6. प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यालय प्रयोग, संपा. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major Elective -Hindi) Level - 5.5

समसत्र पंचम V

भारतीय महिला संत : परिचय एवं पद (8वीं से 14वीं शताब्दी) (DSE – 2)

श्रेयांक - 4 (सैद्धांतिक - 2,क्रियात्मक गतिविधि-2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका–30+60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- भारतीय संत परंपरा में महिला संतों के योगदान का अध्ययन कराना।
- भक्ति आंदोलन में स्त्री चेतना एवं सामाजिक परिवर्तन की भूमिका को समझाना।
- विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं क्षेत्रों की महिला संत कवयित्रियों का परिचय कराना।
- महिला संत साहित्य के आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्षों का अध्ययन कराना।
- भारतीय समाज में स्त्री-अस्मिता, समता एवं मानवतावादी मूल्यों की समझ विकसित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम: (Course Learning Outcomes)

- भारतीय संत परंपरा में महिला संतों के योगदान को समझ सकेंगे।
- महिला संत साहित्य के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे।
- भक्ति आंदोलन में स्त्री चेतना की भूमिका को समझ सकेंगे।
- समता एवं मानवतावादी मूल्यों की पहचान कर सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- परियोजना कार्य।
- छात्र प्रस्तुतीकरण।
- प्रश्नोत्तर एवं संवाद पद्धति।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठयांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई- 1	• भारतीय संत परंपरा एवं महिला संतों की भूमिका • भारतीय भक्ति आंदोलन : पृष्ठभूमि, स्वरूप एवं विकास • भारतीय संत परंपरा : अवधारणा एवं विशेषताएँ • भारतीय महिला संतों का उदय एवं योगदान • महिला संत साहित्य में भक्ति, समता एवं मानवतावादी दृष्टि	1	15

इकाई- 2	• भारतीय महिला संतों का जीवन-परिचय काव्य, भक्ति-दृष्टि एवं सामाजिक योगदान • विशेष अध्ययन : चयनित पद • संत आंडाल (तमिलनाडु) • संत अक्कमहादेवी (कर्नाटक) • संत जनाबाई (महाराष्ट्र) • संत सोयराबाई (दिल्ली) • संत लल्लेश्वरी (कश्मीर) • भारतीय महिला संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ	1	15
इकाई- 3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activities)** **संत वाणी का वाचन, भावार्थ एवं व्याख्या** • पाठ्य विषय में दी गई महिला संत के चयनित पद, अभंग, वचन का सस्वर वाचन करना। • पदों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखना। • भक्ति, समता, मानवता एवं स्त्री चेतना से संबंधित विचारों की पहचान करना। • काव्य की भाषा एवं शैलीगत विशेषताओं का संक्षिप्त विश्लेषण करना। **संत परिचय एवं प्रस्तुतीकरण कार्य** • विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित कर प्रत्येक समूह को एक महिला संत का अध्ययन सौंपना। • संत का जीवन, साहित्य, भक्ति-दृष्टि एवं सामाजिक योगदान पर प्रस्तुति तैयार करना। • चार्ट, पोस्टर अथवा PPT के माध्यम से कक्षा में प्रस्तुतीकरण करना। • अन्य विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देना। **समूह चर्चा एवं प्रस्तुति** • निम्न विषयों में से किसी एक पर चर्चा करना: • महिला संत और नारी मुक्ति • भक्ति आंदोलन और सामाजिक समता • संत साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता • समूह अपने विचार एवं निष्कर्ष प्रस्तुत करें। • चर्चा के आधार पर संक्षिप्त प्रतिवेदन तैयार करें।	1	15X2=30
इकाई- 4	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activities)** **लघु परियोजना एवं मौखिक प्रस्तुति** • "भारतीय महिला संत साहित्य में भक्ति, समता एवं स्त्री चेतना" विषय पर लघु परियोजना तैयार करना। • परियोजना में जीवन परिचय, साहित्य, सामाजिक योगदान एवं निष्कर्ष सम्मिलित करना। • समूह अथवा व्यक्तिगत रूप से मौखिक प्रस्तुति देना। • प्रस्तुति के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र में सहभागिता करना। **भित्ति-पत्रिका / पोस्टर निर्माण** • महिला संतों के जीवन, साहित्य एवं विचारों पर आधारित भित्ति-पत्रिका तैयार करना।	1	15X2=30

	• चित्र, उद्धरण, मानचित्र एवं प्रमुख रचनाओं का समावेश करना। • संतों के योगदान को आकर्षक एवं रचनात्मक रूप में प्रदर्शित करना। • तैयार सामग्री का कक्षा अथवा विभाग में प्रदर्शन करना।		
	सत्रांत प्रात्यक्षिक परीक्षा (30 अंक) **निर्देश :** परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। **गतिविधियाँ** 1. भारतीय महिला संतों के जीवन, साहित्य एवं योगदान पर आधारित गतिविधि। 2. चयनित पद, अभंग अथवा वचन के भाव, भाषा एवं अभिव्यक्ति से संबंधित गतिविधि। 3. भक्ति, समता, मानवता तथा स्त्री-चेतना से संबंधित विचारों के अध्ययन एवं प्रस्तुतीकरण पर आधारित गतिविधि। 4. महिला संत साहित्य की विशेषताओं तथा भारतीय संत परंपरा से संबंधित विश्लेषणात्मक गतिविधि। 5. पाठ्यक्रम की विषयवस्तु के आधार पर परियोजना, संक्षिप्त प्रतिवेदन, तुलनात्मक अध्ययन अथवा रचनात्मक लेखन से संबंधित गतिविधि। **<u>अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना</u>** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

पाठ्य पुस्तक : भारतीय महिला संत : परिचय एवं पद (8वीं से 14वीं शताब्दी) : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. संत मीराबाई और संत जनाबाई के काव्य में अभिव्यक्त भक्ति भावना, डॉ जयश्री कीनारीलाल/ कुमावत, समता प्रकाशन कानपुर
2. मीराबाई एवं चंद्र सखी के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ मेहनाज बेगम,आशीष प्रकाशन कानपुर
3. मीराबाई अक्कामहादेवी एवं अंडाल का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ केशव मूर्ति, अन्नपूर्णा प्रकाशन कानपुर
4. मीराबाई : जीवन और काव्य, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, राजपाल एंड संस, दिल्ली
5. मीराबाई की पदावली, (संपा.) आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
6. कबीर, सूर और मीरा, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
7. भक्तिकालीन हिंदी कविता में नारी, डॉ. सावित्री सिन्हा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
8. भक्ति आंदोलन और संत साहित्य, डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level – 5.5

समसत्र पंचम V

भाषा शिक्षण (Minor – 5)

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक – 2)

अंक 50 (30 + 20) तासिका – 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- भाषा एवं भाषा-शिक्षण की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना।
- भाषा शिक्षण के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
- भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियों एवं भाषा कौशलों को समझाना।
- हिंदी भाषा शिक्षण की चुनौतियों एवं संभावनाओं से परिचित कराना।
- भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन की आधारभूत जानकारी प्रदान कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- भाषा एवं भाषा-शिक्षण की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियों का विवेचन कर सकेंगे।
- श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन कौशलों की भूमिका को समझ सकेंगे।
- भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन की मूल संकल्पनाओं को समझ सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- गोष्ठी, चर्चा एवं स्वाध्याय।
- प्रस्तुतीकरण एवं अतिथि व्याख्यान।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठयांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई- 1	• **भाषा एवं भाषा शिक्षण** • भाषा अर्थ : परिभाषा एवं स्वरूप • भाषा का महत्व एवं कार्य • भाषा शिक्षण अर्थ :उद्देश्य एवं सिद्धांत • भाषा के प्रकार : मातृभाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा • भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा शिक्षण	1	15

इकाई- 2	• **भाषा शिक्षण की विधियाँ, कौशल एवं मूल्यांकन** • भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ : • व्याकरण अनुवाद-विधि : प्रत्यक्ष विधि, श्रवण विधि, भाषण विधि, संप्रेषणात्मक विधि • भाषा कौशल : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन • हिंदी शिक्षण के संदर्भ : • मातृभाषा के रूप में हिंदी • द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी • विदेशी भाषा के रूप में हिंदी • भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन : • संकल्पना • परीक्षण के प्रकार • मूल्यांकन के प्रकार	1	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा शिक्षण, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा एवं भाषा शिक्षण (खंड–1), रामाकांत अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा एवं भाषा शिक्षण (खंड–2), रामाकांत अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा-शिक्षण, करुणापति त्रिपाठी, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, बनारस
5. भाषा शिक्षण, परीक्षण और मूल्यांकन, के. वी. एल. नरसिंह राव, कलिंगा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level – 5.5

समसत्र पंचम V

आत्मकथा साहित्य (Minor – 6)

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक – 2)

अंक 50 (30 + 20) **तासिका – 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- हिंदी की महत्वपूर्ण विधा (आत्मकथा) का अध्ययन कराना।
- हिंदी आत्मकथा साहित्य की विशेषताओं का अध्ययन कराना।
- छात्रों को आत्म-मूल्यांकन के लिए प्रेरित कराना।
- छात्रों को लेखकों के आत्म-संघर्ष, सामाजिक यथार्थ और ऐतिहासिक परिवेश से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- छात्र हिंदी साहित्य महत्वपूर्ण विधा (आत्मकथा) से परिचित होंगे।
- छात्र हिंदी आत्मकथा साहित्य की विशेषताओं को समझेंगे।
- छात्र आत्म-मूल्यांकन के लिए प्रेरित होंगे।
- छात्रों को लेखकों के आत्म-संघर्ष, सामाजिक यथार्थ और ऐतिहासिक परिवेश का ज्ञान होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल)।
- गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठयांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई- 1	• आत्मकथा : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताए • हिंदी आत्मकथा: उद्भव और विकास • आत्मकथा की विशेषताएँ • जूठन (भाग-१) - ओमप्रकाश वाल्मीकि (आत्मकथा)	1	15
इकाई- 2	• अपनी खबर - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' (आत्मकथा)	1	15

पाठ्यपुस्तकें

1. जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2. अपनी खबर - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य कोश, धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी

2. हिंदी साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. हिंदी आत्मकथा विकास और विश्लेषण, रवींद्र त्रिपाठी, भारतीय साहित्य संस्थान, दिल्ली

4. आलोचना और विचारधारा, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Vocational Skill Course -Hindi) Level – 5.5

समसत्र पंचम V

विज्ञापन लेखन (VSC – 3)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक – 2, क्रियात्मक गतिविधि – 2)

अंक – 100 (30+20+30+20) **तासिका – 30+60 = 90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- विज्ञापन लेखन का परिचय कराना।
- विज्ञापन का महत्व समझना।
- विज्ञापन लेखन के कौशल को जानना।
- विज्ञापन के प्रकारों को समझना।
- विज्ञापन लेखन में रोजगार की संभावनाएं तलाशना।

पाठ्यक्रम परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- विज्ञापन लेखन से छात्र परिचित होंगे।
- छात्र विज्ञापन का महत्व समझेंगे।
- छात्रों में विज्ञापन लेखन कौशल विकसित होगा।
- छात्र विज्ञापन लेखन में रोजगार के सुअवसर देखेंगे।
- छात्रों में विज्ञापन लेखन क्षमता विकसित होगी।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का उपयोग।
- समुह चर्चा।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• विज्ञापन का स्वरूप • विज्ञापन की परिभाषा • विज्ञापन के उद्देश • विज्ञापन का महत्व • विज्ञापन लेखन के तत्व • विज्ञापन का अनुवाद	1	15

	• विज्ञापन की पटकथा • विज्ञापन मे मनोविज्ञान समाज एवं संस्कृति		
इकाई – 2	• विज्ञापन के कार्य • प्रभावी विज्ञापन की विशेषता • विज्ञापन के साधन • विज्ञापन के प्रकार - स्थानीय विज्ञापन, राष्ट्रीय विज्ञापन वर्गीकृत विज्ञापन, औद्योगिक विज्ञापन, जनकल्याण संबंधि विज्ञापन, सूचनाप्रद विज्ञापन • विज्ञापनों का वर्गीकरण - अ - दृश्य माध्यमों के विज्ञापन ब - श्रव्य माध्यमों के विज्ञापन दृश्य श्राव्य माध्यमों के विज्ञापन • प्रभावी विज्ञापन की विशेषताएं • विज्ञापन की भाषा	1	15
इकाई – 3	**क्रियात्मक गतिविधि (Practical Activities)** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञापन लेखन की व्यावहारिक समझ एवं रचनात्मक लेखन कौशल का विकास करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अध्यापक निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन करें— • विभिन्न माध्यमों में प्रकाशित विज्ञापनों का अध्ययन एवं उनकी विशेषताओं की पहचान करवाना। • विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों के लिए उपयुक्त शीर्षक (Headline) एवं नारे (Slogan) लिखने का अभ्यास करवाना। • किसी उत्पाद, सेवा अथवा जन-जागरूकता विषय पर विज्ञापन तैयार करने का अभ्यास करवाना। • समाचार-पत्र, रेडियो, टेलीविजन एवं सोशल मीडिया के विज्ञापनों की भाषा एवं शैली का अध्ययन करवाना। • प्रभावी विज्ञापन की विशेषताओं के आधार पर विज्ञापन लेखन का अभ्यास करवाना। • स्थानीय, राष्ट्रीय, औद्योगिक एवं जनकल्याण संबंधी विज्ञापनों के प्रारूप का अध्ययन एवं लेखन करवाना। • विद्यार्थियों से व्यक्तिगत अथवा समूह में विज्ञापन लेखन कराकर उसका प्रस्तुतीकरण करवाना।	2	30X2=60
	सत्रांत प्रात्यक्षिक परीक्षा (30 अंक) **निर्देश :** परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। **गतिविधियाँ** • विज्ञापन के स्वरूप, उद्देश्य एवं उपयोग से संबंधित गतिविधि।		

	• विज्ञापन के प्रकार एवं माध्यमों पर आधारित गतिविधि। • विज्ञापन की भाषा, शैली एवं प्रस्तुतीकरण से संबंधित गतिविधि। • विज्ञापन लेखन कौशल एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति पर आधारित गतिविधि। • पाठ्यक्रम की विषयवस्तु के आधार पर विज्ञापन लेखन के व्यावहारिक प्रयोग से संबंधित गतिविधि। **<u>अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना</u>** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

पाठ्य पुस्तक : विज्ञापन लेखन : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी विज्ञापन: संरचना और प्रभाव, डॉ सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन
2. हिन्दी भाषा और विज्ञापन, डॉ नरेन्द्र कुमार संत, श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली
3. हिन्दी विज्ञापनों का समकालीन विमर्श, डॉ. शिवनारायण, श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली
4. जनसंपर्क और विज्ञापन, संतोष गोयल, श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली
5. विज्ञापन और ब्रांड, संजय सिंह बघेल, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन
6. विज्ञापन और जनसंपर्क, डॉ. मुक्ति नाथ झा, सुधांशु श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन
7. इलेक्ट्रोनिक मीडिया एवं सूचना प्रोद्योगिकी, विजय कुमार आनंद,राकेश नैम, रजत प्रकाशन नई दिल्ली

अथवा

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Vocational Skill Course -Hindi) Level – 5.5

समसत्र पंचम V

मशीनी अनुवाद (VSC – 4)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक – 2, क्रियात्मक गतिविधि – 2)

अंक – 100 (30+20+30+20) **तासिका – 30+60 = 90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- विद्यार्थियों को मशीनी अनुवाद की अवधारणा से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को प्रणालियाँ, प्रक्रिया, अनुप्रयोग और सीमाओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को मशीनी अनुवाद के क्षेत्र, मशीन अनुवाद में आनेवाली चुनौतियों से परिचित कराना।
- मशीनी अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं तलाशना।

पाठ्यक्रम परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- मशीन अनुवाद की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- विभिन्न मशीन अनुवाद प्रणालियों की पहचान कर सकेंगे।
- पूर्व-सम्पादन (Pre-editing)एवं पश्च-सम्पादन (Post-editing) का महत्व समझ सकेंगे।
- विभिन्न मशीन अनुवाद सॉफ्टवेयर एवं टूल्स का प्रयोग कर सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल)।
- चर्चा परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन।
- स्वाध्याय।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• मशीनी अनुवाद : स्वरूप, प्रक्रिया एवं प्रकार • मशीनी अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं आवश्यकता • मशीनी अनुवाद का विकास : संक्षिप्त परिचय • स्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा की अवधारणा • मशीनी अनुवाद की कार्यप्रणाली	1	15

इकाई – 2	• मशीनी अनुवाद के प्रमुख प्रकार • मशीनी अनुवाद के प्रमुख अनुप्रयोग एवं उपयोग क्षेत्र • मशीनी अनुवाद : लाभ एवं सीमाएँ • मानव अनुवाद और मशीनी अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन • प्रमुख मशीनी अनुवाद उपकरण • Google Translate, Microsoft Translator तथा Deeply Translator का परिचय • मशीनी अनुवाद के लाभ, सीमाएँ और संभावनाएँ • मशीनी अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्व	1	15
इकाई – 3	**क्रियात्मक गतिविधि (Practical Activities)** • विद्यार्थियों को Google Translate, Microsoft Translator, ChatGPT आदि मशीनी अनुवाद उपकरणों का परिचय देना। • हिंदी से अंग्रेज़ी तथा अंग्रेज़ी से हिंदी के छोटे-छोटे वाक्यों का मशीनी अनुवाद करवाना। • समाचार, विज्ञापन, सूचना-पट्ट तथा सामान्य गद्यांशों के मशीनी अनुवाद का अभ्यास करवाना। • मशीनी अनुवाद द्वारा प्राप्त पाठ का मूल पाठ से मिलान करवाना। • अनुवाद में होने वाली शब्दगत, व्याकरणिक एवं अर्थगत त्रुटियों की पहचान करवाना। • एक ही पाठ का विभिन्न मशीनी अनुवाद उपकरणों द्वारा अनुवाद कराकर उनकी तुलना करवाना। • मुहावरों, लोकोक्तियों एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के मशीनी अनुवाद का परीक्षण करवाना। • किसी छोटे पाठ का मानव अनुवाद एवं मशीनी अनुवाद तैयार कर दोनों की तुलना करवाना। • मशीनी अनुवाद की उपयोगिता एवं सीमाओं पर समूह चर्चा आयोजित करना। • विद्यार्थियों से मशीनी अनुवाद के अनुभव साझा करवाना तथा निष्कर्ष प्रस्तुत करवाना।	2	30X2=60
	सत्रांत प्रात्यक्षिक परीक्षा (30 अंक) **निर्देश :** परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। **गतिविधियाँ** 1. मशीनी अनुवाद की अवधारणा, कार्यप्रणाली एवं उपयोग से संबंधित गतिविधि। 2. स्रोत भाषा, लक्ष्य भाषा तथा मशीनी अनुवाद की प्रक्रिया पर आधारित गतिविधि। 3. मशीनी अनुवाद के विभिन्न उपकरणों, प्रणालियों एवं उनके प्रयोग से संबंधित गतिविधि। 4. मशीनी अनुवाद की गुणवत्ता, त्रुटियों, संशोधन तथा तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित गतिविधि। 5. मशीनी अनुवाद के अनुप्रयोग, उपयोगिता, सीमाओं तथा व्यावहारिक प्रयोग से संबंधित गतिविधि। **अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना**		

	प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

पाठ्य पुस्तक : मशीनी अनुवाद : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. ई-अनुवाद और हिन्दी, हरीश सेठी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सूचना प्रोद्योगिकी हिन्दी और अनुवाद, पुरणचंद टंडन, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
4. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक अध्ययन, सुनील शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कंप्यूटर अनुवाद, पुरणचंद टंडन, नीता गुप्ता, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Field Project -Hindi) Level – 5.5

समसत्र पंचम V

लोकसाहित्य : क्षेत्रीय अध्ययन एवं संकलन (F.P. – 2)

श्रेयांक – 2 **तासिका – 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- विद्यार्थियों में लोकसाहित्य के प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित कराना।
- लोकसाहित्य के स्वरूप, महत्व एवं सांस्कृतिक योगदान को समझाना।
- स्थानीय परंपराओं, रीति-रिवाजों एवं सांस्कृतिक धरोहर का अध्ययन कराना।
- मौखिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति विद्यार्थियों को प्रेरित कराना।
- समाज में निहित जीवन-मूल्यों एवं लोकज्ञान की पहचान कराना।
- क्षेत्रीय लोककला, लोकसंस्कृति एवं लोकपरंपराओं के संरक्षण में सहभागिता सुनिश्चित कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- लोकसाहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं मूल तत्त्वों को समझ सकेंगे।
- लोकसाहित्य की प्रमुख विधाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
- लोकसाहित्य की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।
- स्थानीय लोकसाहित्य के दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण में योगदान दे सकेंगे।
- क्षेत्रीय लोकपरंपराओं एवं लोककलाओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- प्रदर्शन एवं श्रव्य-दृश्य पद्धति।
- क्षेत्रीय अध्ययन पद्धति।
- परियोजना कार्य।
- अध्ययन सामग्री एवं संदर्भ ग्रंथों का उपयोग।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	इस क्षेत्रीय अध्ययन के अंतर्गत मराठवाड़ा क्षेत्र के निम्नलिखित जिलों का चयन किया गया है - (छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, धाराशिव, हिंगोली, परभणी, नांदेड़) • इन क्षेत्रों की लोकपरंपराएँ, लोककलाएँ तथा लोकसाहित्यिक अभिव्यक्तियाँ अध्ययन का आधार होंगी। • अध्यापक सम्बंधित पाठ्य विषय का सैधांतिक विवेचन देकर मार्गदर्शन करें • लोकसाहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप • लोकसाहित्य : अर्थ एवं परिभाषा	1	15

	• लोकसाहित्य की विशेषताएँ • लोकसाहित्य एवं संस्कृति • भारतीय लोकपरंपरा का परिचय • लोकसाहित्य का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व		
इकाई – 2	**लोकसाहित्य की प्रमुख विधाएँ** • लोकगीत • लोककथा • लोकगाथा • लोकनाट्य • कहावतें एवं मुहावरे • लोकविश्वास एवं लोकाचार **लोककलाकार एवं लोकपरंपराएँ** • पोतराज • गोंधळी • मसणजोगी • भारुडकार • पोवाडा (शाहिरी काव्य) • स्थानीय आदिवासी समुदाय • घुमंतू एवं विमुक्त समुदाय	1	15
	क्षेत्रीय अध्ययन एवं क्रियात्मक गतिविधियाँ : विद्यार्थी अपने स्थानीय क्षेत्र में उपलब्ध लोकसाहित्य का प्रत्यक्ष अध्ययन एवं संकलन करेंगे। **जानकारी संग्रह के स्रोत** • बुजुर्ग व्यक्तियों और लोककलाकारों से साक्षात्कार एवं संवाद • स्थानीय कलाकारों एवं लोकगायकों से जानकारी • लोकउत्सवों एवं मेलों में सहभागिता एवं अवलोकन • स्थानीय बोली एवं भाषा का अध्ययन **क्षेत्रीय कार्य एवं प्रतिवेदन** इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को अपने क्षेत्र में उपलब्ध लोकसाहित्य का संकलन एवं दस्तावेजीकरण करना होगा। • **क्षेत्रीय कार्य के प्रमुख घटक** 1. लोकगीत, लोककथाएँ, लोकगाथाएँ, कहावतें, मुहावरे एवं लोकविश्वासों का संकलन। 2. किसी एक लोककलाकार, लोकपरंपरा अथवा लोककला का अध्ययन। 3. स्थानीय बोली एवं भाषा के विशिष्ट शब्दों का संग्रह तथा हिंदी अर्थ। 4. लोकउत्सव, मेले अथवा सांस्कृतिक आयोजनों का अवलोकन।		

	5. आवश्यकतानुसार ऑडियो, वीडियो एवं छायाचित्रों का संग्रह। • **दस्तावेजीकरण** संकलित सामग्री को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। प्रत्येक सामग्री के साथ उसके स्रोत का स्पष्ट उल्लेख आवश्यक होगा। • **प्रतिवेदन में निम्नलिखित घटक सम्मिलित होंगे—** 1. शीर्षक पृष्ठ 2. प्रमाणपत्र 3. आभार 4. अनुक्रमणिका 5. अध्ययन क्षेत्र का परिचय 6. संकलित लोकसाहित्य 7. लोककलाकार अथवा लोकपरंपरा का विवरण 8. स्थानीय बोली एवं शब्द-संग्रह 9. निष्कर्ष 10. संदर्भ सूची 11. परिशिष्ट (यदि आवश्यक हो) विद्यार्थियों द्वारा 25 से 30 पृष्ठों का क्षेत्रीय अध्ययन प्रतिवेदन तैयार कर विभाग में जमा किया जाएगा। • **डिजिटल संरक्षण** संकलित सामग्री की ऑडियो, वीडियो, छायाचित्र एवं लिखित प्रतियों को डिजिटल माध्यमों में सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे लोकसाहित्य के संरक्षण एवं प्रसार को बढ़ावा मिलेगा। • **प्रस्तुति** विद्यार्थी अपने क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित प्रतिवेदन का मौखिक प्रस्तुतीकरण करेंगे। आवश्यकता अनुसार लोकसाहित्य प्रदर्शनी, लोकगीत प्रस्तुति अथवा समूह चर्चा का आयोजन किया जा सकता है।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. मराठी लोक साहित्य कोश, (सं.) डॉ. सुनील कुलकर्णी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
2. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. भारतीय लोक साहित्य, डॉ. श्याम परमार, राजकमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली
4. लोक साहित्य विज्ञान, डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. लोकसहित्य के आयाम, डॉ भोलानाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भारतीय लोकसहित्य और संस्कृति, डॉ.दिनेश्वर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

Sixth Semester

समसत्र – षष्ठ VI

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (DSC – 13)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक- 2, क्रियात्मक गतिविधि - 2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका-30+60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक संदर्भ को समझना।
- भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कराना।
- आधुनिक काल के प्रमुख साहित्यकारों प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी का परिचय प्राप्त कराना।
- काव्य, गद्य, कहानी, उपन्यास एवं निबंध-विधाओं के विकास-क्रम को समझना।
- साहित्यिक पंक्तियों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन की क्षमता विकसित कराना।
- लिखित अभिव्यक्ति, तुलनात्मक चिंतन एवं रचनात्मक लेखन-कौशल को निखारना।
- साहित्य और समाज के अंतर्संबंध को समझकर साहित्यिक चेतना जागृत कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- आधुनिक काल का काल-विभाजन, नामकरण एवं प्रत्येक युग की समयसीमा बता सकेंगे।
- प्रत्येक काव्य-धारा (छायावाद/प्रगतिवाद/प्रयोगवाद) की परिभाषा एवं 3-4 प्रमुख विशेषताएँ लिख सकेंगे।
- कम-से-कम 8 प्रमुख साहित्यकारों का परिचय, रचनाएँ एवं भाषा-विशेषता बता सकेंगे।
- दी गई काव्य-पंक्ति का संदर्भ, प्रसंग एवं भावार्थ क्रमबद्ध रूप से लिख सकेंगे।
- किसी साहित्यिक विषय पर प्रस्तावना-मुख्य विषय-उपसंहार सहित लघु निबंध लिख सकेंगे।
- साहित्यिक काल-तालिका का निर्माण रचनात्मक रूप में कर सकेंगे।
- साहित्य पठन के प्रति रुचि एवं साहित्यिक सौंदर्यबोध विकसित होगा।
- समाज और साहित्य के संबंध को समझकर संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
- स्वाध्याय।
- अध्ययन यात्रा।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
	• आधुनिक काल : परिभाषा, सीमा-निर्धारण एवं नामकरण (भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक) • आधुनिक काल की सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि — नवजागरण एवं स्वाधीनता आंदोलन का प्रभाव		

इकाई - 1	• आधुनिक काल का स्वरूप एवं विशेषताएँ • भारतेंदु युग : हिंदी गद्य का उद्भव, विशेषताएँ एवं प्रमुख साहित्यकार • द्विवेदी युग : विशेषताएँ एवं भाषा-शैली **प्रमुख साहित्यकार : व्यक्तित्व एवं साहित्यिक योगदान** • भारतेंदु हरिश्चंद्र • बालकृष्ण भट्ट • प्रतापनारायण मिश्र • महावीर प्रसाद द्विवेदी • मैथिलीशरण गुप्त	1	15
इकाई - 2	• छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • प्रगतिवाद : पृष्ठभूमि, रचनाएँ एवं विशेषताएँ • प्रयोगवाद एवं नई कविता • आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास • कहानी, उपन्यास,निबंध एवं नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • समकालीन हिंदी साहित्य की विशेषताएँ **प्रमुख साहित्यकार: व्यक्तित्व एवं साहित्यिक योगदान** • जयशंकर प्रसाद • सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' • सुमित्रानंदन पंत • महादेवी वर्मा • प्रेमचंद • अज्ञेय • नागार्जुन	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activities)** गतिविधि 1 : **कवि-परिचय पत्रक** • A4 आकार के सफेद कागज पर छात्रों से हाथ से लिखवाकर ले। • कवि-चयन : पाठ्यक्रम में सम्मलित कवियों में से। • अनिवार्य बिंदु : (1) पूरा नाम व उपनाम (2) जन्म-मृत्यु वर्ष व स्थान (3) काल का नाम (4) दो-तीन प्रमुख रचनाएँ (5) भाषा-विशेषता (एक परिच्छेद) (6) एक प्रसिद्ध कविता (अर्थ विश्लेषण के साथ)। • पत्रक पर छात्रों के अपना नाम, कक्षा एवं रोल नंबर अनिवार्य रूप से लिखने के लिए कहे। गतिविधि 2 : **कविता का स्मरण एवं सस्वर पाठ** • पाठ्यविषय में दिए गए कवियों में से किसी एक कवि की कविता याद करने के लिए कहे। • कविता का सरल भावार्थ एक अथवा दो परिच्छेद में तैयार करवा ले (नोट्स में लिखें)।	1	15X2=30

	• कक्षा में छात्र शिक्षक के सामने खड़े होकर स्पष्ट उच्चारण व लय के साथ सुनाएँ। • अध्यापक पाठ के बाद कविता का अर्थ भी पूछ सकते हैं। **गतिविधि 3 : साहित्यिक काल-तालिका** • छात्र कागज पर रंगीन पेन / मार्कर से तालिका बनाएँ। • पाठ्य विषय में से किसी एक युग की तालिका बनानी है। • तालिका में 5 स्तंभ : काल का नाम,समयकाल, कवि, प्रत्येक की रचना,और काल की विशेषताएँ लिखें। • शीर्षक बड़े अक्षरों में लिखें तथा अलग-अलग रंगों का उपयोग करें। • ऊपरी कोने में नाम, रोल नंबर एवं कक्षा लिखना अनिवार्य है।		
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Activities)** **गतिविधि 4 : तुलनात्मक लेखन** • दो युगों अथवा दो कवियों की तुलना 200-300 शब्दों में हाथ से लिखवाकर ले। • उदाहरण विषय : दो युगों के साहित्य अथवा काव्य प्रवृतियों की तुलना, दो कवियों के लेखन शैली अथवा काव्य की तुलना आदि। • लेखन में निम्न बिंदु होने चाहिए : परिचय (एक परिच्छेद) तुलना के बिंदु (4-5) निष्कर्ष (एक परिच्छेद)। • लेखन जमा करने के बाद छात्रों को 2-3 मिनट की कक्षा-प्रस्तुति भी करनी होगी। **गतिविधि 5 : श्रवण-बोध** • अध्यापक किसी एक कवि की रचना का सस्वर पाठ करेंगे। • छात्र ध्यान से सुनकर दिए गए 5 बोध-प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। • प्रश्न इस प्रकार होंगे : (1) कवि का नाम (2) रचना का भाव (3) प्रमुख विचार (4) कोई विशेष शब्द/पंक्ति (5) काल का नाम। • उत्तर 2-3 वाक्यों में स्पष्ट एवं सरल भाषा में लिखें। • रचना एक बार और सुनाई जा सकती है — उसके बाद उत्तर-पुस्तिका में लिखाकर जमा करनी होगी। **गतिविधि 6 : काव्य-पंक्ति की व्याख्या** • अध्यापक द्वारा पाठ्यक्रम में से किसी एक कवि की कविता दी जाएगी। • छात्र निम्नलिखित क्रम में 100-150 शब्दों में व्याख्या लिखेंगे : (1) संदर्भ : रचना का नाम एवं कवि का नाम। (2) प्रसंग : किस विषय में यह पंक्ति कही गई है (2-3 वाक्य)। (3) भावार्थ : पंक्ति का सरल हिंदी में अर्थ। • व्याख्या स्वच्छ एवं सुलेखनीय होनी चाहिए।	1	15X2=30
	छात्र मूल्यांकन **निर्देश :** परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। गतिविधियाँ : • जीवन एवं साहित्य का अध्ययन – पाठ्यक्रम में निर्धारित साहित्यकार/महिला संत के जीवन, कृतित्व एवं साहित्यिक योगदान पर आधारित अध्ययन। • पाठ-विश्लेषण – पाठ्यक्रम में निर्धारित पद/पाठ का संदर्भ, भावार्थ, विश्लेषण एवं समीक्षा।		

	• तुलनात्मक अध्ययन – पाठ्यक्रम में निर्धारित दो साहित्यकारों, दो कृतियों अथवा दो साहित्यिक प्रवृत्तियों का तुलनात्मक विवेचन। • विश्लेषणात्मक लेखन – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर आधारित आलोचनात्मक अथवा व्याख्यात्मक लेखन। • परियोजना/प्रस्तुतीकरण – पाठ्यक्रम से संबंधित किसी विषय पर परियोजना, रिपोर्ट, चार्ट, प्रस्तुतीकरण अथवा मौखिक विवेचन। **अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी कविता, नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

साहित्यशास्त्र (DSC – 14)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक- 2, क्रियात्मक गतिविधि - 2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका-30+60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- भारतीय साहित्याशास्त्र और उसके स्वरूप से परिचित कराना।
- साहित्याशास्त्र की विविध अवधारणाओं का अध्ययन कराना।
- भारतीय काव्य सिद्धांतों का अध्ययन कराना।
- साहित्यलोचन की क्षमता को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- छात्र भारतीय साहित्याशास्त्र के उद्भव और विकासक्रम को समझेंगे।
- छात्र भारतीय साहित्याशास्त्र के विविध रूपों को समझेंगे।
- छात्र भारतीय काव्य सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- छात्र भारतीय साहित्याशास्त्र के विभिन्न आयामों को समझेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल)।
- चर्चा परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई - 1	• साहित्य स्वरूप विवेचन • साहित्य की परिभाषा • साहित्य के तत्व • **भारतीय साहित्यशास्त्रीय** • काव्य का स्वरूप • काव्य प्रयोजन • काव्य लक्षण • काव्य हेतु • **साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ** • काव्य रूप	1	15

	• काव्य गुण • काव्य दोष • शब्द शक्ति (अभिधा,लक्षणा और व्यंजना)		
इकाई - 2	• **भारतीय काव्य सिद्धांतः** • रस सिद्धांत • अलंकार सिद्धांत • रीति सिद्धांत • ध्वनि सिद्धांत • वक्रोक्ति सिद्धांत • औचित्य सिद्धांत	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** इस पाठ्यक्रम में क्रियात्मक कार्य का उद्देश्य छात्रों को साहित्याशास्त्र के उद्भव और विकासक्रम का परिचय देकर उनमें साहित्याशास्त्र के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में निम्नलिखित विविध गतिविधियों का आयोजन करें। • साहित्यशास्त्र क्या है? साहित्य का स्वरूप और साहित्य के तत्व और साहित्य में साहित्याशास्त्र के महत्व से अवगत कराते हुए • काव्य का स्वरूप • काव्य के प्रकार • काव्य प्रयोजन	1	15X2=30
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** • काव्य लक्षण एवं काव्य हेतु बताएं • भारतीय साहित्याशास्त्र की परंपरा पर प्रकाश डालें। • छात्रों के समूह बनाकर साहित्याशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन विश्लेषण करने का अभ्यास करवाएँ। अध्यापक स्वयं क्रिया कलापों में सहभागी हो। महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय कवि एवं समीक्षक तथा विशेषज्ञ की उपस्थिति में साहित्यःशास्त्र पर कार्यशाला का आयोजन करें।	1	15X2=30
	सत्रांत परीक्षा 30 अंक निर्देश : परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। **गतिविधियाँ :** • साहित्य की परिभाषाओं का संकलन कर उनमें से किसी तीन परिभाषाओं का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुए साहित्य के प्रमुख तत्वों का सारणीबद्ध प्रस्तुतीकरण कीजिए। • किसी एक काव्यांश का चयन कर उसमें काव्य प्रयोजन, काव्य गुण, काव्य दोष तथा शब्द-शक्ति (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना) की पहचान कर उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए। • भारतीय काव्य सिद्धांतों में से किसी दो सिद्धांतों का तुलनात्मक अध्ययन कर समानताएँ एवं भिन्नताएँ सारणी के रूप में प्रस्तुत कीजिए। • भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का कालानुक्रमिक चार्ट (Timeline) तैयार कर प्रमुख आचार्यों एवं उनके काव्य सिद्धांतों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।		

	• साहित्यशास्त्र के महत्व पर समूह-चर्चा/कार्यशाला के आधार पर 500 शब्दों का प्रतिवेदन (Report) तैयार कर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत कीजिए। **अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी**: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, डॉ. नगेंद्र, शनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र की रूपरेखा, डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. हिंदी भाषा तथा साहित्यशास्त्र, डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major-Hindi-Mandatory) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

भारतीय ज्ञान परंपरा एवं रामचरितमानस (DSC – 15)

(Indian Culture and Knowledge System)

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक- 2)

अंक – 50 (30+20) **तासिका- 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- भारतीय ज्ञान-परंपरा की मूल अवधारणाओं एवं विशेषताओं का परिचय कराना।
- वेद, उपनिषद, पुराण तथा भारतीय दार्शनिक धाराओं की आधारभूत समझ विकसित कराना।
- गुरु शिष्य परंपरा एवं भारतीय शिक्षा प्रणाली के सांस्कृतिक महत्त्व को स्पष्ट करना-।
- रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक आदर्शों का अध्ययन कराना-।
- विद्यार्थियों में नैतिकता, सामाजिक समरसता तथा लोकमंगल की भावना का विकास करना।
- भारतीय संस्कृति की समकालीन प्रासंगिकता को समझने की क्षमता विकसित करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा की मूल अवधारणाओं को समझ-सकेंगे।
- भारतीय दर्शन एवं सांस्कृतिक मूल्यों की व्याख्या कर सकेंगे।
- रामचरितमानस में निहित नैतिक एवं सामाजिक आदर्शों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- भारतीय संस्कृति की समकालीन प्रासंगिकता को पहचान सकेंगे।
- सामाजिक समरसता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- समूहचर्चा एवं संवाद।-
- परियोजना एवं प्रस्तुतीकरण।
- ऑडियोविजुअल माध्यमों का उपयोग।–
- ऑनलाइन स्रोतों एवं डिजिटल सामग्री का अध्ययन।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	**भारतीय ज्ञान परंपरा परिचय एवं : अवधारणाएँ** • भारतीय ज्ञान परंपरा अर्थ एवं स्वरूप : • ज्ञानका सामान्य एवं भारतीय अर्थ ' • भारतीय ज्ञानपरंपरा की संकल्पना- • भारतीय ज्ञान: परंपरा की प्रमुख विशेषताएँ- • प्राचीनता, मौखिक परंपरा, आध्यात्मिक दृष्टि, व्यावहारिक उपयोगिता **भारतीय ज्ञान के प्रमुख स्रोत**	1	15

	• श्रुति :सामान्य परिचय • स्मृति :सामान्य परिचय • वेद एवं उपनिषद का सामान्य परिचय • पुराण एवं महाकाव्यों की भूमिका **भारतीय संस्कृति एवं जीवनमूल्य-** • सत्य,अहिंसा,करुणा,धर्म,लोकमंगल • भारतीय जीवन में इन मूल्यों का महत्त्व **गुरुशिष्य परंपरा-** • गुरु का महत्त्व • गुरुकुल व्यवस्था का सामान्य परिचय • नालंदा एवं तक्षशिला का संक्षिप्त परिचय • वर्तमान शिक्षा में गुरुशिष्य संबंध की प्रासंगिकता- **भारतीय ज्ञान परंपरा का दैनिक जीवन में महत्त्व** • योग एवं आयुर्वेद • प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति भारतीय दृष्टि • परिवार एवं समाज में भारतीय संस्कार • आधुनिक जीवन में भारतीय ज्ञान की उपयोगिता		
इकाई – 2	**रामचरितमानस मूल्य एवं सांस्कृतिक चेतना-भारतीय जीवन :** • गोस्वामी तुलसीदास जीवन एवं कृतित्व : • तुलसीदास का संक्षिप्त जीवन- परिचय • तुलसीदास का साहित्यिक योगदान • प्रमुख रचनाएँ : (रामचरितमानस,विनयपत्रिका,कवितावली) **रामचरितमानस सामान्य परिचय :** • रामचरितमानस का स्वरूप • सात कांडों का संक्षिप्त परिचय • बालकांड,अयोध्याकांड,अरण्यकांड,किष्किंधाकांड,सुंदरकांड,लंकाकांड,उत्तरकांड • रामचरितमानस का भारतीय समाज में महत्त्व **रामचरितमानस के प्रमुख पात्र एवं आदर्श** • राम आदर्श पुरुष एवं मर्यादा : • सीता धैर्य एवं त्याग : • लक्ष्मण सेवा एवं निष्ठा : • भरत भ्रातृप्रेम एवं त्याग : • हनुमान भक्ति एवं समर्पण : **रामचरितमानस में जीवनमूल्य-** • सत्य, मर्यादा, सेवा, भक्ति, करुणा एवं लोकमंगल **भारतीय संस्कृति एवं नैतिक शिक्षा में रामचरितमानस का योगदान** • रामलीला की परंपरा • लोकजीवन में रामकथा • नैतिक शिक्षा में रामचरितमानस का योगदान	1	15

	• सामाजिक समता और समरसता का भाव रामचरितमानस-का संदेश • वर्तमान जीवन में रामचरितमानस की उपयोगिता		

पाठ्य पुस्तक : भारतीय ज्ञान परंपरा एवं रामचरितमानस : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. रामचरितमानस सरल हिंदी) टीका सहित तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. तुलसी एक नई दृष्टि :, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. एकनाथी भागवत (हिंदी अनुवाद सहित), संत एकनाथ, श्री हरिनारायण आपटे और हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीताप्रेस
5. SWAYAM / NPTEL — IKS ऑनलाइन पाठ्यक्रम
6. YouTube : हिंदी में उपलब्ध रामकथा

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major- Elective-Hindi) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

प्रतिनिधि महिला एकांकी (DSE – 3)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक- 2, क्रियात्मक गतिविधि - 2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका 30+60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- विद्यार्थियों को एकांकी साहित्य की प्रकृति, स्वरूप एवं विकास-परंपरा से परिचित कराना।
- एकांकी के तत्वों—कथानक, पात्र, संवाद, देशकाल एवं उद्देश्य से अवगत कराना।
- चयनित हिंदी एकांकियों के माध्यम से सामाजिक,सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों की समझ विकसित कराना।
- विद्यार्थियों में नाट्य-पाठ,मंचन एवं अभिनय संबंधी जानकारी देना।
- साहित्यिक आलोचना एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर विद्यार्थी एकांकी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास-क्रम को समझ सकेंगे।
- एकांकी के प्रमुख तत्त्वों एवं नाट्य-शिल्प का विश्लेषण कर सकेंगे।
- चयनित हिंदी एकांकियों के कथ्य,पात्रों की समीक्षा कर पाएंगे।
- एकांकी-पाठ, मंचन एवं प्रस्तुति से संबंधित व्यावहारिक कौशल विकसित कर सकेंगे।
- साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक - श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- स्वाध्याय।
- प्रायोगिक कार्य।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• एकांकी का सैद्धांतिक अध्ययन • एकांकी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप • एकांकी और नाटक में अंतर • एकांकी के तत्त्व: कथावस्तु, पात्र एवं चरित्र-चित्रण, संवाद, देशकाल एवं वातावरण, उद्देश्य, एकांकी की भाषा एवं शैली • एकांकी के प्रकार	1	15

इकाई – 2	• पाठ्यक्रम में समाविष्ट एकांकी • एक और दिन-शांति : मेहरोत्रा • जान से प्यारे : ममता कालिया • कलाकार और नारी : विमला लूथरा • कपिलवस्तु की राजवधू : सावित्री रांका	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** इस पाठ्यक्रम में क्रियात्मक कार्य का उद्देश्य छात्रों को साहित्य की जीवंत विधा एकांकी साहित्य का सैद्धांतिक एवं कलात्मक परिचय देकर उनमें एकांकी और अभिनय के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। साथ ही साहित्य सृजन तथा संवाद लेखन और अभिनय के लिए प्रेरणा मिलें इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में निम्नलिखित विविध गतिविधियों का आयोजन करें। • एकांकी का मंचन: छात्रों के समूह बनाकर पाठ्यक्रम में से किसी एक एकांकी का चयन संवाद याद करके, उचित वेशभूषा और मंच सज्जा के साथ उसके जीवंत अभिनय के द्वारा मंचन करें। • संवाद अभिव्यक्ति (Dialogue Delivery) और अभिनय (Acting): पाठ्यक्रम में निहित किसी भी एकांकी का चयन कर उसके संवाद अभिव्यक्ति और किसी एक पात्र की भूमिका देकर अभिनय करने का अभ्यास करवाएँ। • समीक्षा (Review) लिखना: छात्रों को पाठ्यक्रम में पढ़ाई गई किसी एक एकांकी को पढ़कर एकांकी के तत्वों के आधार पर उसकी समीक्षा लिखवाएँ।	1	15X2=30
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** • मौलिक एकांकी लेखन (Creative 'One Act Play Writing): छात्रों से स्वयं किसी समसामयिक विषयों पर नई मौलिक एकांकी लिखवाने का प्रयास करें। जिससे छात्रों की सृजनात्मक लेखन क्षमता और भाषा पर पकड़ मजबूत होगी और समझ गहरी होगी। • हिंदी एकांकी साहित्य की परंपरा को नई तकनीक का सहारा लेकर आकर्षक और चित्रमय बनाकर उस पर प्रकाश डालें। • छात्रों के समूह बनाकर नाट्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन-विश्लेषण करने का अभ्यास करवाएँ। अध्यापक स्वयं क्रिया कलापों में सहभागी हो। • महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय लेखक, कलाकार एवं समीक्षक तथा विशेषज्ञ की उपस्थिति में नाट्यशास्त्र पर कार्यशाला का आयोजन करें।	1	15X2=30

सत्रांत परीक्षा 30 अंक

निर्देश : परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा।

गतिविधियाँ

- पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक एकांकी का चयन कर उसके किसी एक दृश्य का मंचन-प्रारूप तैयार कीजिए। (पात्र, वेशभूषा, मंच-सज्जा, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था का संक्षिप्त विवरण दें।)
- पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक एकांकी के किसी एक पात्र का चयन कर उसके पाँच प्रमुख संवाद लिखिए तथा प्रत्येक संवाद के साथ अभिनय एवं भावाभिव्यक्ति के निर्देश अंकित कीजिए।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक एकांकी के आधार पर उसका समीक्षा-प्रपत्र (Review Sheet) तैयार कीजिए। (कथावस्तु, पात्र, संवाद, उद्देश्य एवं अपनी टिप्पणी सहित।)
- किसी समसामयिक सामाजिक विषय पर दो या तीन पात्रों वाला लगभग 300 शब्दों का एक लघु मौलिक एकांकी-दृश्य तैयार कीजिए।
- हिंदी एकांकी साहित्य के विकास को दर्शाने वाला एक आकर्षक चार्ट/सारणी तैयार कीजिए, जिसमें प्रमुख एकांकीकारों एवं उनकी एक-एक प्रतिनिधि एकांकी का उल्लेख हो।

<u>अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना</u>

प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें।

टिप्पणी: सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।

पाठ्य पुस्तक : प्रतिनिधि महिला एकांकी सम्पा. डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली
2. नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
4. एकांकी उद्भव और विकास, मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान-विज्ञान प्रकाशन दिल्ली
5. हिंदी एकांकी: डॉ. सत्येन्द्र, साहित्य-रत्न भंडार, आगरा
6. हिंदी एकांकी और एकांकीकर (ई-पुस्तक), डॉ. रमा सूद, भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर उत्तर प्रदेश

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Major- Elective-Hindi) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

हिंदी नुक्कड़ नाटक (DSE – 4)

श्रेयांक – 4 (सैद्धांतिक- 2, क्रियात्मक गतिविधि - 2)

अंक - 100 (30+20+30+20) **तासिका 30+60=90**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- नुक्कड़ नाटक के स्वरूप एवं प्रक्रिया को समझना।
- हिंदी नुक्कड़ नाटक उद्भव एवं विकास को समझना।
- नुक्कड़ नाटक की विशेषता एवं महत्व को समझना।
- नुक्कड़ नाटक की रचना प्रक्रिया एवं प्रस्तुति कौशल का विकास कराना।
- नुक्कड़ नाटक के सामाजिक प्रभाव को स्पष्ट कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- छात्र नुक्कड़ नाटक के स्वरूप एवं प्रक्रिया को समझेंगे।
- छात्र हिंदी नुक्कड़ नाटक के उद्भव एवं विकास को समझेंगे।
- छात्रों को नुक्कड़ नाटक के महत्व एवं उपयोगिता का बोध होगा।
- छात्र नुक्कड़ नाटक की रचना प्रक्रिया एवं प्रस्तुति कौशल को अर्जित करेंगे।
- छात्र नुक्कड़ नाटक के सामाजिक प्रभाव को समझेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- दृक - श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- स्वाध्याय।
- प्रायोगिक कार्य।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• नुक्कड़ नाटक : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा • हिंदी नुक्कड़ नाटक : उद्भव एवं विकास • नुक्कड़ नाटक : रचना प्रक्रिया एवं प्रस्तुति • नुक्कड़ नाटक : विशेषताएं एवं महत्व	1	15

इकाई – 2	• वो बोल उठी : जन नाट्य मंच • जमीन : शिवराम • देखो वोट बटोरे अंधा : असगर वजाहत • सबका दुश्मन : स्वयं प्रकाश • ये सपनों के मारे लोग : गिरिराजशरण अग्रवाल • पीढ़ियों के पुल : चंद्रकिरण सौनरेक्सा	1	15
इकाई - 3	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** • निर्धारित नुक्कड़ नाटक के अध्ययन हेतु अध्यापक कक्षा में छात्रों से निम्नलिखित गतिविधियाँ संपन्न करवाएँ— • निर्धारित नुक्कड़ नाटक का सस्वर वाचन एवं संवाद-पाठ। • नुक्कड़ नाटक की कथावस्तु, उद्देश्य एवं सामाजिक संदर्भों पर चर्चा। • प्रमुख पात्रों एवं उनकी भूमिकाओं का विश्लेषण। • चयनित दृश्यों का नाट्य-पाठ एवं समूह प्रस्तुतीकरण। • नुक्कड़ नाटक में प्रयुक्त भाषा, संवाद, व्यंग्य एवं जनसंचार तकनीकों का अध्ययन। • नाटक में निहित सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक प्रश्नों पर समूह चर्चा। • किसी एक दृश्य अथवा प्रसंग का विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण।	1	15X2=30
इकाई - 4	**क्रियात्मक गतिविधि : (Practical Activities)** • निर्धारित नुक्कड़ नाटक का सामूहिक वाचन एवं विषयवस्तु का विश्लेषण। • नाटक में प्रस्तुत सामाजिक समस्याओं एवं जनजागरण संबंधी विचारों पर विचार-विमर्श। • चयनित दृश्य, संवाद अथवा प्रसंग का पुनर्लेखन एवं रूपांतरण। • समकालीन सामाजिक विषय पर 5–10 मिनट की अवधि की लघु नुक्कड़ नाटक की पटकथा (स्क्रिप्ट) विद्यार्थियों से तैयार करवाना। • तैयार पटकथा का संवाद-अभ्यास एवं समूह प्रस्तुतीकरण। • विद्यार्थियों के समूहों द्वारा लघु नुक्कड़ नाटक का मंचन। • मंचित नुक्कड़ नाटक के कथ्य, प्रस्तुति शैली एवं सामाजिक संदेश पर चर्चा।	1	15X2=30
	सत्रांत परीक्षा 30 अंक **निर्देश** : परीक्षा के समय निम्नलिखित गतिविधियों के आधार पर प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को पाँच गतिविधियों में से किसी भी दो गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। गतिविधियाँ • पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक नुक्कड़ नाटक का चयन कर उसके किसी एक दृश्य का संवाद-पाठ (Dialogue Script) तैयार कीजिए तथा संवादों के साथ पात्रों की मंचीय गतिविधियाँ (Stage Directions) अंकित कीजिए।		

	• पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक नुक्कड़ नाटक के आधार पर मंचन-योजना तैयार कीजिए। (पात्र, प्रवेश-निर्गमन, वेशभूषा, नारे, गीत तथा प्रस्तुति-स्थल का संक्षिप्त विवरण दें।) • पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक नुक्कड़ नाटक के किसी एक दृश्य अथवा प्रसंग का समकालीन सामाजिक संदर्भ में रूपांतरण (Adaptation) कीजिए तथा संशोधित संवाद लिखिए। • जल संरक्षण, स्वच्छता, मतदान, पर्यावरण, डिजिटल सुरक्षा अथवा किसी अन्य समसामयिक सामाजिक विषय पर 5–7 मिनट के लघु नुक्कड़ नाटक की संक्षिप्त पटकथा (Script) तैयार कीजिए। • पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण-प्रपत्र (Presentation Sheet) तैयार कीजिए, जिसमें कथ्य, उद्देश्य, प्रमुख पात्र, सामाजिक संदेश, नारे/गीत तथा दर्शकों तक पहुँचाने योग्य मुख्य संदेश का संक्षिप्त विवरण हो। **<u>अध्यापकों के लिए मार्गदर्शक सूचना</u>** प्रायोगिक कार्य परीक्षा हेतु निर्धारित 5 प्रायोगिक गतिविधियों में से किसी भी 2 गतिविधियों पर आधारित संबंधित अध्यापक स्वयं 5 प्रश्नों की लिखित प्रश्नपत्रिका तैयार करेंगे। प्रश्नपत्रिका छात्रों को प्रदान कर विश्वविद्यालय की उत्तर-पत्रिका में उत्तर लिखवाएँ तथा मूल्यांकन कर अंक प्रदान करें। **टिप्पणी:** सत्रांत मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियाँ केवल उदाहरणस्वरूप हैं। संबंधित अध्यापक पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु एवं अधिगम परिणामों के आधार पर अपने स्तर पर उपयुक्त प्रश्नपत्रिका तैयार कर सकते हैं।		

पाठ्य पुस्तक : हिंदी नुक्कड़ नाटक, संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. नुक्कड़ नाटक रचना और प्रस्तुति, प्रज्ञा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
2. जनता के बीच जनता की बात, सम्पा. प्रज्ञा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चौक चौक पर गली गली में, सफदर हाश्मी, मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली
4. सबसे सस्ता गोश्त, असगर वजाहत, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली
5. आपातकालोत्तर हिंदी नुक्कड़ नाटक, डॉ. अप्पासाहेब टाळके, संकल्प प्रकाशन, कानपुर
6. स्वातंत्र्योत्तर युगीन परिप्रेक्ष्य और नुक्कड नाटक : एक मूल्यांकन, डॉ. मदन मोहन शर्मा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
7. हिंदी के जनपक्षधर रंगमंच, सम्पा. आलोक मिश्रा, अंतिका प्रकाशन
8. पीढ़ियों के पुल तथा नुक्कड़ नाटक, चंद्रकिरण सौनरेक्सा, अंतरा प्रकाशन

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

यात्रा साहित्य (Minor – 7)

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक- 2)

अंक – 50 (30+20) तासिका -30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- हिंदी की रोचक विधा - यात्रा साहित्य का अध्ययन कराना।
- यात्रा साहित्य की विशेषताओं का अध्ययन कराना।
- छात्रों को प्रत्यक्ष रूप से भ्रमण और अन्वेषण के लिए प्रेरित कराना।
- देश-विदेश की सांस्कृतिक और भौगोलिक आयामों का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- छात्र हिंदी साहित्य की रोचक विधा – यात्रा साहित्य को समझेंगे।
- छात्र हिंदी यात्रा साहित्य की विशेषताओं को समझेंगे।
- छात्र प्रत्यक्ष रूप से भ्रमण और अन्वेषण के लिए प्रेरित होंगे।
- छात्रों को देश-विदेश की सांस्कृतिक और भौगोलिक आयामों का ज्ञान होगा।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति ।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल) ।
- चर्चा परिचर्चा, संवाद पद्धति ।
- गृहकार्य, अंतर्गत मूल्यांकन ।
- स्वाध्याय ।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरुप और विकास • यात्रा साहित्य : अर्थ एवं परिभाषा • हिंदी यात्रा साहित्य : उद्भव और विकास • हिंदी यात्रा साहित्य का स्वरूप • हिंदी यात्रा साहित्य की विशेषताएँ • हिंदी यात्रा साहित्य	1	15

	• देवताओं के आँचल में : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' • किन्नर देश की ओर : राहुल सांकृत्यायन		
इकाई – 2	• ठेले पर हिमालय : धर्मवीर भारती • जहाँ भगीरथ ने तप किया था : विष्णु प्रभाकर • आख़िरी चट्टान : मोहन राकेश • जापान में क्या देखा : भदंत आनंद कौसल्यायन	1	15

पाठ्य पुस्तक : यात्रा साहित्य : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी का यात्रा साहित्य एक विहंगम दृष्टि, विश्वमोहन तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
- यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास, डॉ. सुरेंद्र माथुर, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
- घुमक्कड़ शास्त्र, राहुल सांकृत्यायन, किताब महल, इलाहाबाद
- अरे यायावर रहेगा याद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आखिरी चट्टान तक, मोहन राकेश भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक बूँद सहसा उछली, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

(Minor-Hindi) Level - 5.5

समसत्र – षष्ठ VI

हिंदी निबंध साहित्य (Minor – 8)

श्रेयांक – 2 (सैद्धांतिक- 2)

अंक – 50 (30+20) **तासिका- 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- विद्यार्थियों को हिंदी निबंध साहित्य की परंपरा एवं विकास से परिचित कराना।
- प्रमुख निबंधकारों के चिंतन, भाषा-शैली तथा साहित्यिक योगदान का अध्ययन कराना।
- सामाजिक, सांस्कृतिक राष्ट्रीय,विज्ञान,आध्यात्मिय,पर्यावरणीय चेतना से संबंधित निबंधों की समझ विकसित कराना।
- विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कराना।
- निबंध लेखन की कला तथा अभिव्यक्ति कौशल को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम : (Course Learning Outcomes)

- हिंदी निबंध की प्रकृति, स्वरूप एवं विकास-यात्रा को समझ सकेंगे।
- प्रमुख निबंधकारों की रचनात्मक विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक, विज्ञान विषयों पर तार्किक लेखन करने में सक्षम होंगे।
- निबंध साहित्य के माध्यम से भारतीय जीवन-मूल्यों एवं चिंतन को समझ सकेंगे।
- आलोचनात्मक एवं सृजनात्मक लेखन कौशल का विकास कर सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति।
- समूह चर्चा।
- संगोष्ठी एवं प्रस्तुतीकरण।
- निबंध लेखन अभ्यास।

पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यांश	श्रेयांक	तासिकाएं
इकाई – 1	• हिंदी निबंध का स्वरूप एवं विकास • निबंध : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व • हिंदी निबंध का उद्भव एवं विकास • निबंध के प्रमुख प्रकार : विचारात्मक निबंध, भावात्मक निबंध वर्णनात्मक निबंध, व्यंग्यात्मक निबंध	1	15
इकाई – 2	**प्रमुख निबंधकार एवं चयनित निबंध** • आचार्य रामचंद्र शुक्ल : करुणा • विष्णु प्रभाकर : संस्कृति और धर्म	1	15

	• आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य • हरिशंकर परसाई : विज्ञापन संस्कृति • पं. प्रताप नारायण मिश्र : विश्वास • रामदासिंह दिनकर : हिम्मत और जिंदगी • डॉ राजीव गर्ग : पर्यावरण और हम • रामवृक्ष बेनीपुरी : नई संस्कृति की ओर		

पाठ्य पुस्तक : हिंदी निबंध साहित्य : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. चिंतामणि, रामचंद्र शुक्ल, अद्वैत प्रकाशन, नई दिल्ली
2. श्रृंखला की कड़ियाँ, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. अशोक के फूल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली
4. सदाचार का ताबीज, हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
5. भारतीयता की पहचान, विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
6. हिंदी गद्य का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय
छत्रपति संभाजीनगर

डॉ. अपर्णा हिंमतराव पाटील
व्यवस्थापन परिषद सदस्य व विद्यापरिषद सदस्य
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर
नॅक समितीद्वारे 'अ' दर्जा प्राप्त

दि. 02/07/2026

महत्वपूर्ण सूचना

हिंदी अध्ययन मंडल आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित हिंदी विषय के पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रश्नपत्र/पेपर अथवा पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्य-पुस्तक का प्रकाशन हिंदी अध्ययन मंडल की पूर्व लिखित अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति, संस्था अथवा प्रकाशक नहीं करेगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि कोई व्यक्ति, संस्था अथवा प्रकाशक हिंदी अध्ययन मंडल की पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त किए बिना ऐसी पाठ्य-पुस्तक प्रकाशित करता है तथा उस पर विश्वविद्यालय के नाम, विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम अथवा विश्वविद्यालय से संबद्ध होने का उल्लेख करता है, तो इसे अनधिकृत एवं भ्रामक प्रकाशन माना जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित व्यक्ति, संस्था अथवा प्रकाशक के विरुद्ध विश्वविद्यालय के नियमों एवं प्रचलित विधिक प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अतः यह सूचना विश्वविद्यालय के हिंदी विषय के पाठ्यक्रम के साथ संलग्न की जा रही है, ताकि सभी संबंधित व्यक्ति, संस्थाएँ एवं प्रकाशक उक्त निर्णय का अनुपालन सुनिश्चित करें।

अध्यक्ष, हिंदी अभ्यासमंडळ, प्रतिष्ठाण महाविद्यालय, पैठण, ता. पैठण जि. छत्रपती संभाजीनगर.
भ्रमणध्वनी ९४२१६४८०८० ई-मेल aparnapatil8080@gmail.com